ont>

Title : Need to review the forest conservation policy. - Laid.

श्री भैरूलाल मीणा (सलूम्बर): अध्यक्ष महोदय, देश में वनों की बेतरतीब कटाई होने के कारण भारत में वन समाप्त होने की स्थिति पर पहुंच गये हैं। वनों की कमी के कारण पिछले 4 सालों से वर्षा नहीं के बराबर रही है और देश के विभिन्न भागों में अकाल की स्थिति बनी हुयी है। मेरा अनुभव है कि 1980 के पूर्व देश में जंगल की कमी नहीं थी जिस कारण वर्षा पर्याप्त मात्रा में होती थी और देश में पानी की कमी, भुखमरी और पेयजल की समस्या नहीं थी। यदि अकाल होता भी था तो वह एक माह या 15 दिन वर्षा की रूकावट के कारण हुआ करता था।

मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि वन संरक्षक के लिए जो नियम और नीति बनी हुयी है मेरे ज्ञान से गलत है। क्योंकि वन संरक्षण के लिए वनारोपण किया जाता है लेकिन वनीकरण क्षेत्र को पांच साल के बाद खुला छोड़ दिया जाता है जिस कारण वन नट हो जाते हैं। वनीकरण की यह परम्परा अभी भी जारी है। वनों को नट करने में माफिया ग्रुप के अलावा वन विभाग की लापरवाही का भी बड़ा योगदान रहा है। यदि पूर्व नियमों के अनुसार ही वनीकरण जारी रहा तो एक दिन ऐसा आयेगा जब हमें पीने तथा सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलेगा इसलिए वनों की कटाई को रोकना तथा नये पेड़ लगाना अत्यंत आवश्यक हैं।

मेरी सरकार से मांग है कि वन संरक्षण के लिए देशव्यापी योजना बनाकर इसे स्थायी स्वरूप से दिया जाये।